ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–33
दिनांक– मंगलवार, 30 अप्रैल, 2024

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 40.1 एवं 22.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 61 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 25 प्रतिशत, हवा की औसत गति 20.2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 8.5 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 10.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 26.1 एवं दोपहर में 38.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(01–05 मई, 2024)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 01–05 मई, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- उत्तर बिहार के जिलों में इस अवधि में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। अगले तीन मई तक शुष्क हवा तथा प्रचंड लू (हीट वेव) की स्थिति बने रहने की सम्भावना है। उसके बाद लू की स्थिति में कमी आने की सम्भावना है। जिसके कारण तापमान में हल्की गिरावट के साथ यह 40 डिग्री सेल्सियस के नीचे आ सकता है।
- अगले दो–तीन दिनों तक अधिकतम तापमान 40–42 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। उसके बाद यह तापमान 37–39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की सम्भावना है। इस अवधि में न्यूनतम तापमान 24–27 डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने की सम्भावना है।
- सतही हवा की गति तेज रह सकती है। औसतन 14 से 20 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है। 4–5 मई में पूर्वा हवा भी चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 40 से 50 प्रतिशत तथा दोपहर में 20 से 35 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम एवं बढ़ते तापमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि सभी खड़ी फसलों एवं सब्जियो में सिंचाई करें। गेहूँ, अरहर एवं रवी मक्का फसल की कटनी तथा दौनी को उच्च प्राथमिकता दे कर सम्पन्न करें।
- शुष्क एवं गर्म मौसम थ्रिप्स कीट के लिए अनुकुल वातावरण है। ऐसी परिस्थिति में इनकी संख्या चरम पर पहुँच जाती है। यह प्याज को नुकसान पहुँचानेवाला मुख्य कीट है। यह आकार में अतिसुक्ष्म होता है तथा यह पत्तियों की सतह पर चिपक कर रस चुसते है जिससे पत्तियों पर दाग दिखाई देते है जो बाद में हल्के सफेद हो जाते है। थ्रीप्स की संख्या अधिक पाये जाने पर प्रोफेनोफॉस 50 ई0सी0 दवा का 1.0 मि0ली0 प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। अच्छे परिणाम हेतु चिपकाने वाला पदार्थ जैसे टीपोल 1.0 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल में मिलावें।
- ओल की फसल की रोपाई करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुशंसित है। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के 5.0 ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर 20–25 मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में 10–15 मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- भिण्डी की फसल को लीफ हॉपर कीट द्वारा काफी नुकसान होता है। यह कीट दिखने में सुक्ष्म होता है। इसके नवजात एवं व्यस्क दोनो पत्तियों पर चिपककर रस चुसते है। अधिकता की अवस्था मे पत्तियों पर छोटे–छोटे घब्बे उभर जाते है और पत्तियाँ पीली तथा पौधे कमजोर हो जाते है जिससे फलन प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। भिंडी फसल में माइट कीट की निगरानी करते रहे। प्रकोप दिखाई देने पर ईथियॉन/1.5 से 2 मि0ली0 प्रति ली0 पानी की दर से छिड़काव करें। गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई–गुड़ाई करें।
- किसान भाई हल्दी एवं अदरक की बुआई के लिए खेत की तैयारी कर सकते है। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद डाले।
- मूंग एवं उरद की फसल मे रस चूसक कीट माहु, हरा फुदका, सफेद मक्खी व थ्रिप्स कीट की निगराणी करें। यह कीट पौधे की पत्तियों, कोमल टहनियों, फूल व अपरिपक्व फलियों से रस चूसते है। सफेद मक्खी पीला मोजैक रोग को फैलाने का काम करती है। थ्रीप्स कोमल कलियों व पुष्पों को बहुत क्षति पहुँचाती हैं जिससें अकान्त फूल खिलने से पहले झड़ जाती है, फलियॉ नही बन पाती है। इन कीटों का प्रकोप दिखने पर बचाव हेतु मैलाथियान 50 ई0सी0 या डाडमेथोएट 30 ई0सी0 का 1 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से फसल मे छिड़काव करें।
- दुधारू पशुओं को दिन में धूप में चराने ना भेजें एक छायादार स्थान पर रखें। चारा दाना सुबह जल्दी एवं शाम में देर से खिलाएं। सूखा चारा की मात्रा कम कर दें एवं तिलहन खल्ली और हरे चारा की मात्रा बढ़ा दें। लू लगने की स्थिति में पशु चिकित्सक की सलाह से मेलोक्सीकैम सुई लगवा लें एवं इंटालाईट ओरल ३० ग्राम पाउडर को 2 लीटर पानी में घोलकर सुबह शाम पिलायें। प्रभावित पशु को बार–बार ठंढ़े पानी से धोये। पशु में लू लगने के लक्षण है तेज बुखार, तेज हाफना, ज्यादा लार निकलना, बेचैनी, भूख न लगना एवं ज्यादा पानी पीना।
- गर्म हवाएं से अपने बाग को सुरक्षित करने के लिए आम एवं लीची के बगीचों में नमी बनाये रखें। नमी की कमी होने से फलों में नुकसान हो सकता है अगर किसान भाई के बाग में विगत वर्षों में फल फटने की स्थिति देखने को मिली हो तो ऐसे किसान अपने बाग में ४ ग्राम घुलनशील बोरान प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें जिससे आने वाले दिनों फल फटने के नुकसान से बच सकते है।

आज का अधिकतम तापमानः 41.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 6.3 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 21.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी/वैज्ञानिक (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)